



YashKumar Jaiswal



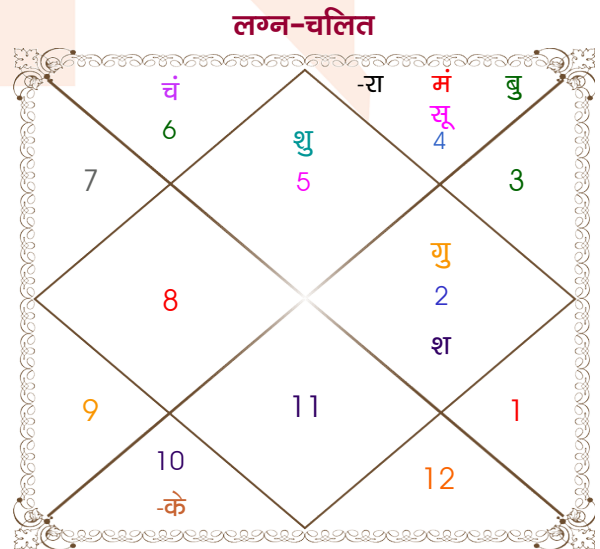
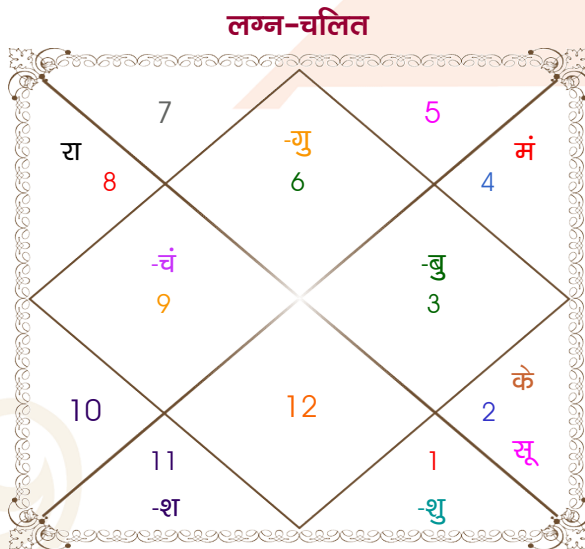
Payaal Jaiswaal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120189812

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 05/06/1993 : _____ जन्म तिथि _____ 05/08/2000
 शनिवार : _____ दिन _____ शनिवार
 घंटे 14:48:00 : _____ जन्म समय _____ 08:00:06 घंटे
 घटी 23:06:10 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 05:23:33 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Hinghanghat : _____ स्थान _____ Akola
 20:32:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 20:40:00 उत्तर
 78:52:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 77:05:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:14:32 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:21:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 05:33:32 : _____ सूर्योदय _____ 05:57:37
 18:52:36 : _____ सूर्यास्त _____ 18:57:13
 23:46:11 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:51:40

विंशोत्तरी केतु 6वर्ष 1मा 15दि चन्द्र		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगल 5वर्ष 7मा 8दि गुरु
21/07/2025		26:56:27	कन्या	लग्न	सिंह	16:08:06	15/03/2024
21/07/2035		20:57:11	वृष	सूर्य	कर्क	19:07:15	15/03/2040
चन्द्र	21/05/2026	01:40:01	धनु	चंद्र	कन्या	25:59:06	गुरु 03/05/2026
मंगल	20/12/2026	26:06:40	कर्क	मंगल	कर्क	08:45:27	शनि 13/11/2028
राहु	20/06/2028	11:35:49	मिथु	बुध	कर्क	02:28:49	बुध 19/02/2031
गुरु	20/10/2029	11:00:58	कन्या	गुरु	वृष	12:43:56	केतु 26/01/2032
शनि	21/05/2031	05:16:45	मेष	शुक्र	सिंह	04:08:19	शुक्र 26/09/2034
बुध	20/10/2032	06:32:20	कुंभ	शनि	वृष	05:50:06	सूर्य 15/07/2035
केतु	21/05/2033	18:24:45	वृश्चि व	राहु व	कर्क	00:37:49	चन्द्र 13/11/2036
शुक्र	20/01/2035	18:24:45	वृष व	केतु व	मक	00:37:49	मंगल 20/10/2037
सूर्य	21/07/2035	27:47:52	धनु व	हर्ष व	मक	25:13:43	राहु 15/03/2040
		26:54:26	धनु व	नेप व	मक	11:05:48	
		29:47:29	तुला व	प्लूटो व	वृश्चि	16:21:28	



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

लैङ्गनउतं श्रंपेंस का वर्ग मृग है तथा Payaal Jaiswaal का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार लैङ्गनउतं श्रंपेंस और Payaal Jaiswaal का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

लैङ्गनउतं श्रंपेंस मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Payaal Jaiswaal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Payaal Jaiswaal की कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमे: वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Payaal Jaiswaal की कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Payal Jaiswal कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु लैज़नउंत श्रंपेंस कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

लैज़नउंत श्रंपेंस तथा Payal Jaiswal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

